केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रेस विज्ञप्ती

हिंदी पखवाड़ा १ सितंबर से १४ सितंबर तक

हिन्दी साहित्यिक गीत प्रतियोगिता

दिनांक ८.09.2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में ' **हिंदी पखवाड़ा १ सितंबर से १४ सितंबर तक** ' के रुप में मनाया जा रहा है । इसी उपलक्ष्य में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय की अध्यक्षता में इस 14 दिवसीय **हिंदी पखवाड़ा** पर्व का उद्घाटन किया गया ।

आज इस अवसर पर आज की मुख्य अतिथि डॉ. सांत्वना श्रीकांत - बहुचर्चित पुस्तक "स्त्री का पुरुषार्थ "की लेखिका संस्थापिका - ashrutpurva.com (अश्रुतपूर्वा) चर्चित साहित्यिक वेब पोर्टल मेरा लाल रंग तथा अन्य कविताओं के प्रकाशन की रचयिता के आतिथ्य में हिन्दी साहित्यिक गीत प्रतियोगिता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसमें परिसर के छात्र छात्राओं सहित कई अध्यापकों द्वारा भी हिन्दी साहित्यिक गीत प्रतियोगिता में सहभागिता की इस अवसर पर डॉ. सांत्वना श्रीकांत ने अपने उदबोधन में बताया कि में अचंभित हूँ कि आज के परिवेश में जब लोगों में लिखने एवं पढने की प्रवृति कम हो रही है ऐसे में परिसर के छात्रों में साहित्यिक रचनाओं में गहरी रूचि देख प्रसन्नता हो रही है और में चाहूँगी यह प्रवृति सदैव इन छात्रों के जीवन में बनी रहे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि हिन्दी साहित्यिक गीत स्वर, पद और ताल से युक्त जो गान होता है वह गीत कहलाता है। गीत, सहित्य की एक लोकप्रिय विधा है इसमें एक मुखड़ा तथा कुछ अंतरे होते हैं। प्रत्येक अंतरे के बाद मुखड़े को दोहराया जाता है। गीत को सिर्फ गाया जाता है, सुनाया नहीं जाता क्योंकि यह गेय पद्धति में ही लिखा जाता है ।

इस **१४** दिवसीय **हिंदी पखवाड़ा** कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अर्चना दुबे ने भी अपने वक्तव्य में बताया कि एक ही गीत के भिन्न-भिन्न पद या अंश जब भिन्न-भिन्न रागों में बंधे होते हैं तो उसे रागमलिका या रागमाला कहते हैं। हिंदुस्तानी संगीत में इसे प्राय: रागसागर कहते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ मंजू सिंह जी द्वारा किया गया|

भवदीय

प्रो. रमाकांत पाण्डेय
निदेशक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल